व्यापार

जोमेटो को-फाउंडर गौरव गुप्ता ने अचानक दिया अपने पद से इस्तीफा

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। फूड टेक कंपनी जोमेटो से बड़ी खबर सामने आई है। जोमैटो के को-फाउंडर गौरव गुप्ता ने कंपनी छोड़ने का फैसला किया है। 2015 में जोमैटो में शामिल हुए, गुप्ता को 2018 में कंपनी का चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर बनाया गया था। जोमेटो इसी साल बाजार में लिस्ट हुई है। कंपनी का आईपीओ लॉन्च करने में गौरव गुप्ता की अहम भूमिका थी। ऐसे में अचानक गौरव गुप्ता का कंपनी छोड़ देना निवेशकों और मीडिया के बीच चर्चा का विषय बन गया है। गौरव गुप्ता के जोमैटो छोड़ने की खबर के बाद कंपनी के शेयर गिरने लगे हैं। गौरव गुप्ता के इस्तीफे की खबर के बाद कंपनी के शेयर ऊपरी स्तर से 10 रुपए से ज्यादा गिरे हैं। पहले शेयर 151 रुपए पर था और अब गिरकर 140 रुपए पर आ गया है। हाल ही में जोमैटो ने ग्रॉसरी डिलीवरी सर्विस और न्यूट्रास्युटिकल व्यवसाय से बाहर निकलने का फैसला किया था। इसके कुछ दिनों बाद ही गुप्ता के इस्तीफे की खबर आई है। जोमेटो ने पिछले साल स्वास्थ्य और फिटनेस उत्पादों के लॉन्च के साथ न्यूट्रास्युटिकल व्यवसाय में कदम रखा था। इसके तहत कंपनी ने हेल्थ और फिटनेस प्रोडक्ट्स लॉन्च किए थे। कंपनी ने ऐसे समय में अपना यह बिजनेस बंद करने का फैसला किया है जब सरकार प्राइवेट लेबल नियमों को सख्त बना रही है।

मारुति सुजुकी स्विफ्ट ने 25 लाख की बिक्री का आकंड़ा पार किया

नयी दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने मंगलवार को कहा कि 16 साल पहले घरेलू बाजार में उतारी गयी उसकी प्रीमियम हैचबैक कार स्विफ्ट ने 25 लाख की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। एमएसआई के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, 2005 में बाजार में उतारे जाने के साथ, स्विफ्ट ने भारत में प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट की शुरुआत की थी। आज इसके लाखों प्रशंसक हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार स्विफ्ट ने अपने शानदार लुक और ताकतवर प्रदर्शन के साथ एक गौरवशाली विरासत का निर्माण किया है। उन्होंने कहा, यह सफलता ब्रांड स्विफ्ट के लिए ग्राहकों और आलोचकों के प्यार का प्रमाण है। 35 वर्ष से कम उम्र के 52 प्रतिशत से अधिक ग्राहकों के साथ स्विफ्ट को अपने परिपक्व होते युवा ग्राहकों की बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप लगातार नया रूप दिया जाता रहा है।

ग्रीव्स कॉटन ने बेंगलुरु में बहु-ब्रांड ईवी खुदरा स्टोर ऑटोईवीमार्ट शुरू किया

मुंबई, 14 सितम्बर (ए)। ग्रीव्स कॉटन ने अपना पहला बहु-ब्रांड ईवी खुदरा स्टोर (ऑटोईवीमार्ट) बेंगलुरु में शुरू किया है। कंपनी ने कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से इसी तरह के आउटलेट अन्य शहरों में भी खोलेगी। विभिन्न श्रेणों में काम करने वाले मुंबई के समूह ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह बहु-ब्रांड ईवी खुदरा कारोबार में उतरेगा। ग्रीव्स के मोबिलिटी कारोबार में एम्पीयर इलेक्ट्रिक शामिल है, जो दोपहिया (ई-स्कूटर) तथा तिपहिया (ई-रिक्शा, ई-ऑटो और ई-लोडर) की जरूरत को पूरा करता है। तिपहिया में कंपनी की मौजूदगी ईएलई ब्रांड के तहत ई-रिक्शा क्षेत्र में और एमएलआर ब्रांड के तहत ई-ऑटो क्षेत्र में है। एम्पीयर इलेक्ट्रिक और ग्रीव्स के बीच 400 से अधिक शहरों में 600 से ज्यादा खुदरा स्टोर हैं। ग्रीव्स रिटेल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वाईवीएस विजयकुमार ने कहा कि प्रतिबद्ध ईवी स्टोर 8,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है। ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़ी सभी चीजें एक छत के नीचे लाने का है। उन्होंने कहा, ''हम बेंगलुरु में अपने पहले ऑटोईवीमार्ट स्टोर की शुरुआत को लेकर काफी रोमांचित हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण में बेंगलुरु अग्रणी रहा है और उसने इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

फ्रेशवर्क्स अमेरिका में आईपीओ से 91.2 करोड़ डॉलर जुटाएगी

नयी दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। प्रौद्योगिकी कंपनी फ्रेशवर्क्स आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये अमेरिका में 91.2 करोड़ डॉलर जुटाएगी। सान मातियो, कैलिफोर्निया मुख्यालय वाली सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस (एसएएएस) कंपनी की स्थापना 2010 में गिरीश मातृवृथम तथा शान कृष्णासामी ने चेन्नई में की थी। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) को भेजी सूचना में फ्रेशवर्क्स इंक ने कहा कि उसकी योजना 2.85 करोड़ श्रेणी ए सामान्य शेयरों की पेशकश अधिकतम 32 डॉलर प्रति शेयर के मूल्य पर करने की है। कंपनी ने श्रेणी ए सामान्य शेयरों को नास्डैक ग्लोबल सेलेक्ट मार्केट में 'एफआरएसएच' के चिह्न के साथ सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव किया है।

9 महीने में एक लाख के बन गए 4 लाख से ज्यादा, एलकॉन इंजीनियरिंग कंपनी ने किया मालामाल

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। कोरोना काल भारतीय शेयर बाजार के लिए शानदार साबित हुआ है। इस दौर में कई ऐसी कंपनियां हैं जिन्होंने जबरदस्त रिटर्न दिया है और इस वजह से निवेशकों ने पैसे भी खूब बनाए हैं। ऐसी ही एक कंपनी एलकॉन इंजीनियरिंग है। निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो के इस स्टॉक ने सालभर में 315 प्रतिशत रिटर्न दिया है। एलकॉन इंजीनियरिंग ने पिछले 6 महीनों में लगभग 170 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, साल दर साल से तुलना करें तो स्टॉक ने 42.60 रुपए प्रति इक्विटी के स्तर से 175.95 रुपए प्रति स्टॉक तक का सफर तय किया है। इस लिहाज से स्टॉक को लगभग 315 प्रतिशत रिटर्न मिला है। सिर्फ पिछले 5 कारोबारी सत्रों में स्टॉक लगभग 3.5 प्रतिशत ऊपर चढ़ गया है। एलकॉन इंजीनियरिंग के स्टॉक को किसी निवेशक ने 31 दिसंबर 2020 के मूल्य पर खरीदा होता, तो निवेशक का 1 लाख रुपए आज 4.13 लाख हो जाता। वहीं, किसी निवेशक ने 6 महीने पहले इस स्टॉक में 1 लाख का निवेश किया होता, तो उसका 1 लाख रुपए आज 2.70 लाख रुपए हो जाता। आपको बता दें कि औद्योगिक उपकरण निर्माता कंपनी एलकॉन इंजीनियरिंग उन दो नए शेयरों में से एक है जिसे विजय केडिया ने अप्रैल से जून 2021 तिमाही में अपने पोर्टफोलियो में जोड़ा था। यह विजय केडिया पोर्टफोलियो स्टॉक 31 दिसंबर 2020 को 42.60 रुपए पर बंद हुआ था और 13 सितंबर 2021 को, यह एनएसई में 175.95 प्रति इक्विटी मार्क पर बंद हुआ था।

सेब के दाम घटने से किसानों में रोष, संयुक्त किसान मंच का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। सेब व अन्य उत्पादों के घटते दामों को लेकर संयुक्त किसान सभा ने सरकार के खिलाफ रैली निकाली और जमकर नारेबाजी की। यह रैली रथ मैदान से लेकर उपायुक्त कार्यालय तक गई और यहां पर किसान नेताओं ने जनता को संबोधित किया। फलोउत्पादक मंडल के अध्यक्ष प्रेम शर्मा ने कहा कि जब सरकार ने सारे अधिकार अडानी-अंबानी को बेचे है तब से किसानों के सेब व अन्य उत्पादों के दाम घट गए हैं। जो सेब 70 रुपए किलो बिकता था वह अब आठ से 10 रुपए तक

खरीदा जा रहा है। उन्होंने कहा कि दवाइयों व खादों पर सब्सिडी खत्म कर दी और लेबर खर्चा भी बढ़ा है। जिस कारण से लागत मूल्य बढ़ा लेकिन मार्किट में सेब पानी के भाव बिकने के कारण किसानों व बागबानों की कमर तोड़ दी है।

सौर ऊर्जा से चल रहे टीवी, फ्रिज-वॉशिंग मशीन ने बढ़ाई उपभोक्ताओं की दिलचस्पी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। सौर ऊर्जा का उपयोग काफी तेजी से बढ़ रहा है और उपभोक्ता इसका जमकर उपयोग कर रहे हैं। इसमें कारोबारी भविष्य को देखते हुए छोटी कंपनियों के साथ देश की नामचीन कंपनियां भी इसमें उतरने के लिए होड़ करने लगी हैं। अडानी समूह और रिलायंस के अलावा एनटीपीसी और एनएचपीसी जैसी सरकारी कंपनियों ने भी इसमें भारी-भरकम निवेश की योजना बनाई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक अलग इकाई बनाकर 75 हजार करोड़ रुपये निवेश का ऐलान भी हाल ही में किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी बनने की उम्मीद है। सौर ऊर्जा कार्बन उत्सर्जन घटाने और खर्च बचाने में मददगार भी मददगार साबित हो रहा है। नोएडा के सेक्टर 80 इंडस्ट्रियल एरिया के करीब ऐसे 800 से अधिक घर हैं जहां के निवासी फ्रिज-वाशिंग मशीन समेत अन्य बिजली के उपकरणों को चलाने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। यहां ज्यादातर घरों में लूम सोलर की ऑफ ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली का उपयोग हो रहा है। सौर ऊर्जा को अपनाने के

साथ, इन घरों में अब बिजली कटौती या बिजली नहीं रहने के किसी भी डर के बिना किसी भी समय विभिन्न बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग करने में सक्षम हैं। इससे उन्हें किसी भी अतिरिक्त खर्च से बचने में और उन्हें कार्बन उत्सर्जन कम करने में भी मदद मिली है। यहां लोगों ने अपने घर पर लूम सोलर की 2केडब्ल्यू या 2000 वाट की क्षमता वाली ऑफ ग्रिड सौर ऊर्जा प्रणाली को तैनात किया है जो कि मोटर, पंखे, वॉशिंग मशीन, एलईडी टीवी, फ्रिज आदि सभी बुनियादी जरूरतों के लिए पर्याप्त है और जो अब 24 घंटे चलते हैं। भारत, अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण पर्याप्त सौर ऊर्जा उत्पन्न करने की एक बड़ी क्षमता और क्षमता रखता है। एमएनआई के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान ने आकलन किया है कि केवल 3अ बंजर भूमि लगभग 748 गीगावाट बिजली पैदा कर सकती है। लूम सोलर के सह-संस्थापक और निदेशक अमोल आनंद कहते हैं यह दर्शाता है कि जहां भी हम सौर ऊर्जा का प्रयोग कर सकते हैं, हमें सौर ऊर्जा अपनानी चाहिए, जिसमें उद्योगों और घरों के अलावा ऐसे उपकरण भी शामिल हैं जिन्हें वाणिज्यिक वाहनों, यात्री कारों, दोपहिया आदि जैसे चलने के लिए जीवाश्म ईंधन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि लूम सोलर का यह लिथियम आयन बैटरी जैसे बेहतर पावर बैकअप स्रोत की भी आवश्यकता को इसीलाभ में लाता है जो कहीं अधिक कुशल होते हैं और सूरज ढलने पर उपकरणों को सुचारु रूप से चलाने के लिए गहरी क्षमता रखते हैं।

निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है भारतः सर्वेक्षण

नयी दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। डेलॉयट के एक सर्वेक्षण के अनुसार, आर्थिक वृद्धि की अच्छी संभावनाओं और कुशल कार्यबल के कारण भारत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। मंगलवार को जारी सर्वेक्षण के नतीजे से पता चलता है कि बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय उद्योगपति भारत की अल्प एवं दीर्घकालीन संभावनाओं में विश्वास रखते हैं और देश में अतिरिक्त निवेश और पहली बार निवेश करने की योजना बना रहे हैं। इंडियाज एफडीआई आँपर्चूनिटी सर्वेक्षण के अनुसार, सर्वेक्षण में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और सिंगापुर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के 1,200 शीर्ष अधिकारियों से सवाल किए गए। इसमें पाया गया कि भारत अपने कुशल कार्यबल और आर्थिक वृद्धि की अच्छी संभावनाओं के लिए ऊंचे अंक पाते हुए निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। इसमें कहा गया कि भारत सात पूंजी-गहन क्षेत्रों - कपड़ा और परिधान, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, औषधि, वाहन एवं कलपुर्जे, रसायन तथा पूंजीगत उत्पादों में अधिक से अधिक एफडीआई आकर्षित करने का लक्ष्य बना सकता है। इन क्षेत्रों ने 2020-21 में देश के व्यापार निर्यात में 181 अरब डॉलर का योगदान दिया था।सर्वेक्षण के अनुसार इन सात क्षेत्रों में त्वरित परिणाम दिखाने और वैश्विक मिसाल कायम करने की जरूरी संभावना, अवसर और क्षमता है। इसमें पाया गया कि अमेरिका में चीन, बाजील, मेक्सिको और वियतनाम जैसे बाजारों की तुलना में भारत को लेकर सबसे मजबूत सकारात्मक धारणा है। अमेरिका और ब्रिटेन के उद्योगपतियों ने भारत की स्थिरता में अधिक विश्वास व्यक्त किया।

सर्वेक्षण में पाया गया कि भारत में व्यापार करने में आसानी में सुधार के लिए हाल के सुधारों के बावजूद निवेशकों के बीच इन सुधारों के लेकर कम जागरूकता बनी हुई है। सर्वेक्षण में पाया गया, तदनुसार, भारत को चीन और वियतनाम की तुलना में व्यापार करने के लिए एक अधिक चुनौतीपूर्ण वातावरण माना गया। इसमें कहा गया कि जहां भारत को राजनीतिक और आर्थिक दोनों रूप से स्थिर माना जाता है, देश ने संस्थागत स्थिरता, यानी नियामक स्पष्टता और कुशल न्यायिक निराकण एवं तंत्र के वर्ग में कम अंक हासिल किए। इसमें यह भी कहा गया कि अपर्याप्त बुनियादी ढांचा मौजूदा और संभावित निवेशकों द्वारा बताया गया एक और नकारात्मक कारक था।

हमारा मानना है कि भारत में व्यापार करने में आसानी में सुधार के कारण ही दृष्टिकोण बेहतर हो सकता है, जिसमें वित्तीय लाभ और अन्य सुधार शामिल हैं। ये सकारात्मक कदम मुझे इस बात को लेकर और आश्वस्त करते हैं कि भारत 5,000 डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की अपनी महत्वाकांक्षा की ओर बढ़ रहा है।

59 प्रतिशत भारतीय प्रोफेशनल नई नौकरियों की तलाश कर रहे हैं

मुंबई, 14 सितम्बर (ए)। अमेजन ने भारतीय प्रोफेशनल्स की नौकरी एवं करियर पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन करने के लिए किए गए सर्वे के परिणाम साझा किए। यह अध्ययन ग्लोबल डेटा इंटैलिजेंस कंपनी, मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा 17 अगस्त से 23 अगस्त, 2021 के बीच किया गया और इस सर्वे में भारत के 1000 प्रोफेशनल व्यस्कों ने हिस्सा लिया। इस अध्ययन में सामने आया कि भारतीय प्रोफेशनल्स नए व अलग तरह के काम तलाश रहे हैं। इस अध्ययन में भारत में नौकरी तलाशने वालों की परिवर्तित होती चिंताओं, अपेक्षाओं, एवं रुचि को रेखांकित किया है। कौशल में विस्तार की संभावनाएं तलाश रहे हैं, ताकि वो नौकरी के बदलते बाजार में प्रासंगिक बने रहें। 2025 तक भारत में 20 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, अमेजन ने हाल ही में देश के 35 शहरों- बैंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, गुड़गांव, मुंबई, कोलकाता, नोएडा, अमृतसर, अहमदाबाद, भोपाल, कोयम्बटूर, जयपुर, कानपुर, लुधियाना, पुणे, सूरत आदि में 8000 प्रत्यक्ष नौकरियों की घोषणा की। नौकरी के ये अवसर कंज्यूमर, कॉर्पोरेट टेक्नॉलॉजी, कस्टमर सर्विस एवं ऑपरेशंस की भूमिकाओं में हैं। अमेजन 16 सितंबर को भारत में अपने पहले करियर डे की मेजबानी कर रहा है। इस ईवेंट के द्वारा कंपनी का उद्देश्य नौकरी तलाशने वालों को एक मंच प्रदान करना है, जहां पर वो देख सकें कि अमेजन में काम करने का अनुभव कैसा है और यह कंपनी 21 वीं सदी में भारत को अपनी सामर्थ्य का विकास करने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए कितनी दृढ़ है। विभिन्न दायित्वों एवं प्रतिभाओं को समझने का अवसर मिलेगा, जो मिलकर अमेजन को एक उत्तम कार्यस्थल बनाते हैं। अमेजन करियर डे की शुरुआत 16 सितंबर को सुबह 10:00 बजे आईएसटी पर होगी। ज्यादा जानकारी प्राप्त करने और रजिस्टर करने के लिए यहां पर क्लिक करें।

आरबीआई ने केवायसी अपडेट की आड़ में धोखाधड़ी के खिलाफ जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। भारतीय रिजर्व बैंक ने तमाम बैंकों को ग्राहकों को एक बड़ी राहत दी है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि कोई भी बैंक दिसंबर 2021 तक किसी ग्राहक का खाता इस आधार पर फ्रीज नहीं कर सकता है कि उसने अपनी केवाईसी अपडेट नहीं की है। दरअसल, केवाईसी के नाम पर इन दिनों कई ठग लोगों को चूना लगाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में आरबीआई ने लोगों को ठगों से बचकर रहने का अलर्ट भी जारी किया है।

कोरोना काल में संक्रमण के डर के चलते बहुत सारे लोग बैंक नहीं जा सके और कुछ ही ऐसे बैंक हैं जो ऑनलाइन केवाईसी की सुविधा देते हैं। ऐसे में कुछ ठग लोगों को इस बात की धमकी दे रहे हैं कि अगर वह उनके साथ कुछ डिटेल साझा नहीं करते हैं तो उनका अकाउंट फ्रीज हो जाएगा। कई लोग इन धमकियों से डर कर ठगों को अपनी अहम जानकारियां दे रहे हैं, जिसके खाते से पैसे गायब हो जा रहे हैं।

एसबीआई की आज 2 घंटे बंद रहेंगी बैंक सर्विसेज

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। एसबीआई के ग्राहकों के लिए जरुरी खबर है. देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई की कुछ सर्विसेज कल यानी बुधवार (15 सितंबर) को 2 घंटे के लिए बंद रहेंगी. इस दौरान एसबीआई के ग्राहक कोई लेन देन भी नहीं कर पाएंगे. भारतीय स्टेट बैंक ने ट्विटर पर इसके लिए अलर्ट जारी कर इस बात की जानकारी दी है.

एसबीआई ने ट्विटर पर अलर्ट जारी कर कहा कि सिस्टम मेंटेनेंस के कारण 15 सितंबर को बैंक की कुछ सेवाएं बंद रहेंगी. इन सेवाओं में इंटरनेट बैंकिंग, योनो, योनो लाइफ और यूपीआई सर्विस शामिल होगी. एसबीआई ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि ये सेवाएं 15 सितंबर की रात 12 बजे से रात 2 बजे तक (120 मिनट) के लिए उपलब्ध नहीं होंगी. इस दौरान ग्राहक किसी भी प्लेटफॉर्म पर ट्रांजैक्शन समेत अन्य एक्टिविटी करने से बचने की कोशिश करें. इससे पहले 04 सितंबर को भी मेंटेनेंस के काम के चलते एसबीआई की योनो

सर्विस करीब 3 घंटे तक बंद रही थीं. इसके अलावा जुलाई और अगस्त महीने में भी मेंटेनेंस की वजह से एसबीआई ने बैंकिंग सेवाओं को ठप किया था. आमतौर पर मेंटेनेंस का काम रात में होता है, ऐसे में ज्यादा ग्राहक प्रभावित नहीं होते हैं. एसबीआई की इंटरनेट बैंकिंग सर्विस का इस्तेमाल आठ करोड़ से अधिक और मोबाइल बैंकिंग का इस्तेमाल करीब दो करोड़ लोग करते हैं. वहीं योनो पर रजिस्टर्ड ग्राहकों की संख्या 3.45 करोड़ है जिस पर रोजाना करीब 90 लाख ग्राहक लॉगिन करते हैं.

मुकेश अंबानी और सुनील मित्तल की बादशाहत बढ़ा सकती है आपका मोबाइल बिल, इसलिए सरकार बना रही नया प्लान

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। पिछले साल अगस्त में पूर्वी दिल्ली के अनिल कुमार ने एक साल का जियो प्लान 1299 रुपये में रिचार्ज कराया था। इस साल जब 24 अगस्त को उनका रिचार्ज खत्म हुआ तो उन्होंने दोबारा रिचार्ज कराने की कोशिश की। इस साल उन्हें एक साल के लिए 2500 रुपये का प्लान मिल रहा था, जिसे देखते हुए उन्होंने अपने मोबाइल का सिर्फ तीन महीने का 599 रुपये वाला रिचार्ज ही कराया है।

आम लोगों के साथ ही टेलिकॉम उद्योग के जानकारों को आशंका है कि अगर देश में सिर्फ दो टेलिकॉम कंपनी बच गई तो लोगों के लिए फोन और डेटा के भाव में तेज वृद्धि दर्ज की जा सकती है। जानकारों का कहना है कि देश में अगर टेलिकॉम कारोबार में सिर्फ दो कंपनियां बची तो टैरिफ में और वृद्धि दर्ज की जा सकती है। टेलिकॉम सेक्टर के बढ़ते कर्ज संकट को दूर करने के लिए केंद्र सरकार अब

मोबाइल कंपनियों पर बकाया ब्याज के एक हिस्से को इक्विटी इंस्ट्रूमेंट में बदलने पर विचार कर रही है। सरकार को उम्मीद है कि इससे टेलिकॉम सेक्टर को राहत मिल सकती है। कर्ज के भारी दबाव से जूझ रही वोडाफोन-आइडिया जैसी कंपनियों को सरकार के इस कदम से काफी राहत मिल सकती है। केंद्र सरकार कंपनियों की तरफ से स्पेक्ट्रम के लिए चुकाई जाने वाली रकम के भुगतान की अवधि भी बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। इसके बाद ब्याज के भुगतान को किस्त में बदला जा सकता है। सरकार टेलिकॉम कंपनियों को नेट प्रेजेंट वैल्यू को इक्विटी में बदलकर चुकाने के लिए कह सकती है। टेलिकॉम कारोबार के जानकारों का मानना है कि दो साल के हॉलिडे के बाद स्पेक्ट्रम खरीद के लिए रकम चुकाने की सुविधा से टेलिकॉम कंपनी को काफी राहत मिल सकती है। कर्ज से जूझ रही वोडाफोन-आइडिया जैसी कंपनी के लिए यह बहुत बड़ी राहत है। वीआई पर बैंक और सरकार का करीब 1.17 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है।

क्या होगा फायदा: अगर सरकार स्पेक्ट्रम फीस के भुगतान के लिए चार साल की राहत देती है तो इससे वोडाफोन-आइडिया को करीब 16,000 करोड़, भारती एयरटेल को 9500 करोड़ और रिलायंस जियो को 3000 करोड़ का फायदा हो सकता है। देश में तीन निजी टेलीकॉम कंपनियों का कारोबार में बने रहना जरूरी है। इससे ग्राहकों को सुविधा होगी और टेलिकॉम कंपनियों को मनमानी करने का मौका नहीं मिल सकेगा।

मंडी भावः सोयाबीन डीगम में सुधार, सरसों, पामोलीन में भी मजबूती, अरहर दाल कमजोर

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (ए)। हल्के तेलों में सबसे सस्ता होने से स्थानीय मांग बढ़ने के कारण तेल-तिलहन बाजार में सोमवार को सोयाबीन डीगम तेल की कीमत में सुधार रहा। जबकि त्योहारी मांग बढ़ने से सरसों तथा मलेशिया एक्सचेंज के मजबूत होने से सीपीओ और पामोलीन कांडला के भाव मजबूती के रुख में रहे। दूसरी ओर बिनौला की कीमत में गिरावट आने से मूंगफली तेल तिलहन कीमत में गिरावट रही। वहीं, इंदौर के दाल-चावल बाजार में सोमवार को तुअर (अरहर) की दाल के भाव में 100 रुपये प्रति क्विंटल की कमी शनिवार की तुलना में हुई। चना दाल भी सौ रुपये प्रति क्विंटल सस्ती बिकी।

बाजार सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार देर रात सरकार ने कच्चे पामतेल (सीपीओ), पामोलीन, सूरजमुखी, सोयाबीन डीगम और सोयाबीन रिफाइंड जैसे खाद्य तेलों के आयात शुल्क में साढ़े पांच प्रतिशत की कमी कर दी ताकि त्योहारों के मौसम में खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाया जा सके। इस फैसले का असर तेलों की आने वाली खेपों पर देखने को मिल सकता है।उन्होंने कहा कि स्थानीय त्यौहारी मांग होने से सरसों तेल तिलहन कीमतों में सुधार दर्ज हुआ, जबकि मलेशिया एक्सचेंज में एक प्रशिक्षत की तेजी से कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन कांडला भाव में सुधार देखने को मिला। शिकागो एक्सचेंज सामान्य बना रहा। सूत्रों ने कहा कि कुछ हफ्ते पूर्व बिनौला का भाव मूंगफली के लगभग बराबर होने के बाद मूंगफली की मांग बढ़ी थी, लेकिन बिनौला के नयी फसल के बाजार में आने की संभावना से इसके भाव मूंगफली से 12 रुपये किलो कम हो गये। इससे मूंगफली तेल तिलहन में गिरावट आई।